Dr. Ranjeet Kumar,
Deptt. of History
H.D. Jain College, Ara,

M.A.- Sem-II
CC-7, Unit-1

* पुरातत्व और नालंदा का इतिहास :-

ऐसा माना जाता है कि 'नालंदा' शब्द की उत्पत्ति नालम (कमल) या दा नालंदा शब्द से हुई है; जिसका अर्थ है "ज्ञान देने वाला"। नालंदा, प्राचीन भारत का एक प्रसिद्ध बौद्ध विश्वविद्यालय था। यह दुनिया के पहले आवासीय विश्वविद्यालयों में से एक था। इसकी स्थापना 5वीं शताब्दी में हुई थी। यह बिहार के 'शरीफ' शहर के पास स्थित है।

नालंदा महाविहार, बिहार के नालंदा जिले में स्थित एक पुरातात्विक स्थल है। यह भारत के प्राचीन विश्वविद्यालयों में से एक था। इस स्थल पर तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व से लेकर 13वीं शताब्दी ई० तक के अवशेष मिले हैं।

नालंदा महाविहार के बारे में कुछ खास बातें निम्नलिखित हैं —

- यह 5वीं शताब्दी ई० से 1200 ई० तक शिक्षा का केन्द्र था।
- यह भारतीय उपमहाद्वीप का सबसे पुराना विश्वविद्यालय था।
- यह मगध (आधुनिक बिहार) राज्य में स्थित है। था।
- यह बौद्ध धर्म के एक धर्म के रूप में विकसित होने और महत्वाकी और शैक्षिक परम्पराओं के उत्कर्ष का प्रमाण है।
- यहाँ स्तूप, मंदिर, विहार (आवासीय और शैक्षिक भवन) और प्लास्टर, पत्थर और धातु से बनी कलाकृतियाँ मिली हैं।
- यहाँ बुद्ध और महावीर कई बार ठहरे थे।
- गुप्त शासक कुमारगुप्त-I ने इसकी स्थापना की थी।
- इसे महान सम्राट हर्षवर्द्धन और पाल शासकों का भी संरक्षण प्राप्त था।

⟶

→ 1190 के दशक में तुर्क शासक कुतुबुद्दीन बख्तियार खिलजी ने नालंदा पर हमला किया था और इसे तहस - नहस कर दिया था।

- नालंदा विश्वविद्यालय में हीनयान बौद्ध धर्म के साथ ही अन्य देशों के छात्र पढ़ते थे।
- इस विश्वविद्यालय में 10,000 छात्रों को पढ़ाने के लिए 2,000 शिक्षक थे।
- इस विश्वविद्यालय में 300 कमरे, 7 बड़े कक्ष और अध्ययन के लिए 9 मंजिला एक विशाल पुस्तकालय था।
- इस विश्वविद्यालय में 90 लाख से ज्यादा किताबें थी।
- 12वीं शताब्दी में तुर्क आक्रमणकारी बख्तियार खिलजी ने इस विश्वविद्यालय को जला कर नष्ट कर दिया था।
- नालंदा विश्वविद्यालय का अवशेष बोध गया से 62 Km दूर और पटना से 90 Km दक्षिण में है।
- नालंदा की स्थापना गुप्त साम्राज्य के सम्राट कुमारगुप्त प्रथम ने 427 ई० के आसपास की थी।